आरती श्री गणेश जी की

गणपति की सेवा मंगल मेवा, सेवा से सब विघ्न टरें ।
तीन लोक तैंतीस देवता, द्वार खड़े सब अर्ज करें ।। गणपति सेवा...

ऋद्धि-सिद्धि दक्षिण वाम विराजै, अरू आनंद सों चंवर करें ।
धूप दीप और लिए आरती, भक्त खड़े जयकार करें ।। गणपति सेवा...

गुड़ के मोदक भोग लगत हैं, मूषक वाहन चढ्या सरें ।
सौम्य रूप से ये गणपति के, विघ्न भाग जा दूर परें ।। गणपति सेवा...

भादों मास और शुक्ल चतुर्थी, दिन दोपारा पूर परें ।
लियो जन्म गणपति प्रभु जी ने, दुर्गा मन आनंद भरें ।। गणपति सेवा...

अद्भुत बाजा बज्या इंद्र का, देववधु जय गान करें ।
श्री शंकर के आनंद उपज्यो, नाम सुन्या सब विघ्न टरें ।। गणपति सेवा...

मीरा अस्पताल **मीरा डेन्टल हॉस्पिटल**

कर्त्तव्य, शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016 2202220, 2202748 9672711117 • Fax : 0141-2201261
www.meerahospital.com • e-mail : info@meerahospital.com • www.meeradentalhospital.com

स्त्री रोग विशेषज्ञ— प्रसूति (डिलीवरी), सिजेरियन और सभी तरह के ऑपरेशन, कोल्पोस्कोपी ।
शिशु रोग विशेषज्ञ— बच्चों की टीकाकरण, फोटोथेरॉपी, रेडियन्ट वार्मर एवं नर्सरी की सुविधा ।
लेबोरेटरी, एक्स-रे, पूरे जबड़े की ओ.पी.जी.। सोनोग्राफी और एम्बूलेंस की 24 घंटे सुविधा।
दंत रोग विशेषज्ञ— पेनलेस आर.सी.टी. एवं क्राउन, ब्रिज, आर.पी.डी./फुल माउथ डेंचर लगाना,
ओरल इम्प्लांट— मुँह में फिक्स दाँत लगाना, स्केलिंग, क्लिनिंग, पॉलिशिंग, ब्लीचिंग,
सिरामिक विनियर्स, कम्पोजिट द्वारा टूथ कलर्ड फिलिंग। ओरल कैंसर की जाँच एवं रोकथाम,
आर्थोडोन्टिस्ट द्वारा टेड़े-मेड़े दाँतों को ठीक करना। पेरियोडोन्टिस्ट द्वारा मसूड़ों के रोगों का उपचार।
टूथ ज्वैलरी एवं कम्प्यूटर से स्माईल डिजाइनिंग करके चेहरे की सुंदरता बढ़ाना।

श्री गणेश जी महाराज हमसे कैसे प्रसन्न होंगे?

आज तक हम यह समझते रहे कि गणेशजी के आगे एक दीप जला देने, अगरबत्ती लगा देने, फूल-माला और प्रसाद चढ़ा देने एवं आरती गाने से गणेशजी प्रसन्न होकर हमारे ऊपर धन की वर्षा कर देंगे। हमारे सारे दुःखों को समाप्त कर देंगे, परन्तु हम यह जानते ही नहीं है कि सच में, गणेशजी महाराज हमारे ऊपर कैसे प्रसन्न होंगे ?

सर्वप्रथम तो हमें गणाधिपति श्रीगणेशजी महाराज के अद्भुत स्वरूप का ध्यान करते हुए, उनके गुणों का भी ध्यान करना चाहिए। फिर उनके गुणों को हम अपने मन में धारण कर सकें, ऐसा सद्प्रयत्न करना चाहिए।

गणेशजी के शरीर के अनुपात में उनकी आँखें बहुत छोटी हैं। इन आँखों से वे भक्तों की केवल अच्छाइयों को ही देखते हैं। इसी तरह से हम यदि दूसरों का दोष-दर्शन करना बंद करके, लोगों की अच्छाइयों को ही देखने लगेंगे, तो हम परनिंदा करने के पाप से बच जाएंगे, जिससे न केवल हमारा घर-परिवार सुखी हो जाएगा, परन्तु हमारे मित्रों की संख्या भी बहुत बढ़ जाएगी। हम बहुत लोकप्रिय हो जाएंगे।

संसार के सभी प्राणियों में सबसे बड़े कान गणेशजी के ही हैं, जिनसे गणेशजी भक्तों की विनती ध्यान से सुनते हैं। इसलिए कोई भी बात हो, हमें भी ध्यान से सुनने की आदत डालना चाहिए। कोई हमारी प्रशंसा करे या कोई हमारी आलोचना करे, हमें दोनों की बातें ध्यान से सुनना चाहिए और फिर सोच-समझकर ही निर्णय लेना चाहिए। गणेशजी का मस्तिष्क कितना बड़ा है। दुनिया के सभी कम्प्यूटरों से भी तेज दिमाग चलता है। यदि हम सुनेंगे सबकी और फिर सोच-विचार कर करेंगे अपने मन की, तब ऐसा ही मस्तिष्क हमारा हो जाएगा।

गणेशजी की सूण्ड बहुत लम्बी है, परन्तु इतनी लम्बी सूण्ड होने के बाद भी गणेशजी हमेशा मौन रहते हैं। भगवान ने हमें छोटी सी जबान दी है, परन्तु हम इससे कई बार इतना अनर्थक बोलते हैं कि लोगों के दिलों में हम अपने लिए नफरत पैदा कर लेते हैं। गणेशजी की तरह मौन रहने की आदत डालें और कम से कम शब्दों का प्रयोग करेंगे, तो हमारा जीवन भी सुखी हो सकता है। परन्तु मौन रहने का अर्थ अन्याय सहन करना नहीं है। गणेशजी जब देखते हैं कि किसी के साथ अन्याय हो रहा है, तो जोर से चिंघाड़ते हैं, और चिंघाड़ सुनकर पापियों के दिल दहल जाते हैं। हमें भी होने वाले अन्याय का विरोध साहस एवं बुद्धिमानी से करना चाहिए।

गणेशजी का एक नाम विघ्नहर्त्ता भी है। संसार में अच्छे काम करने वालों के सामने विघ्न बाधाएँ तो आती ही रहती है, परन्तु गणेशजी उन सब विघ्न बाधाओं को दूर करके हमारा मंगल करते हैं। हमें भी लोगों की भलाई के प्रयत्न करना चाहिए और यदि लोगों को अच्छे काम करने में कठिनाई आ रही हो, तो हमें उसे दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, जिससे कि समाज के लोगों का अधिक से अधिक भला हो सके। हिन्दी अक्षरों में **भला** का उल्टा **लाभ** होता है। यदि आप **भला** करेंगे तो आपको **लाभ** अपने आप होगा। इसलिए अधिक से अधिक **भला** करिए।

गणेशजी चूहे पर सवारी करते हैं। हमारा मन भी चूहे की तरह चंचल और इधर-उधर भागने वाला है। इसलिए इस पर सवारी करना हमारे लिए बहुत कठिन कार्य है। यदि हम अपने मन को वश में करने की विद्या सीख जाएं और उसका निरंतर अभ्यास करके अपने मन को वश में कर लेवें, तब हम भी संसार में सुखी-जीवन जी सकते हैं। गणेशजी की कृपा और आशीर्वाद से मन को वश में करने की विद्या ''विपश्यना'' को सीखकर आप अपने जीवन को सुख-शांति से भर लेवें, यही हमारी मंगल कामना है। जो भक्तजन अपने मन को वश में करने की ''विपश्यना'' विद्या के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक हैं, वे मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं।

अनन्त शुभकामनाओं और मंगल मैत्री के साथ, शुभाकांक्षी,

मोबाईल : 9314877066

सत्यनारायण पाटोदिया